

नमामागिंगे' और पतंजलिके बीच अनुबंध

चर्चा में क्यों?

31 अक्टूबर, 2022 को उत्तराखंड के हरद्वार ज़िले में पतंजलि आरगोनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन की ओर से आयोजित गंगा बेसिन क्षेत्र में प्राकृतिक कृषि कार्यक्रम के अवसर पर प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ाने के लिये 'नमामागिंगे' और पतंजलिके बीच अनुबंध हुआ।

प्रमुख बंदि

- उल्लेखनीय है कि हरद्वार में पतंजलियोगपीठ में योगगुरु बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण व केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सहि शेखावत, डीजी नमामागिंगे अशोक कुमार ने संयुक्त रूप से प्राकृतिक कृषि कार्यक्रम का उद्घाटन किया और इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने नेचुरल फार्मिंग इन गंगा बेसिन रीजन (पर्सपेक्टिव एंड साल्यूशन) कतिाब का वमौचन भी किया।
- इसके अलावा गंगा रन में प्रतभागी प्रथम 20 बच्चों को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।
- इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सहि शेखावत ने बताया कि पतंजलि अनुसंधान केंद्र और नेशनल मशिन ऑफ क्लीन गंगा इन दोनों के बीच में जो एमओयू का करार हुआ है, यह ऐतिहासिक अवसर है।
- वदिति है कि योगगुरु बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने संसार में योग और आयुर्वेद को प्रतषिठति किया है और आज कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जो पतंजलि से अछूता रहा हो।
- इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि संपूरण संसार में 60 लाख के आस-पास वनस्पति पायी जाती है और भारत में लगभग 20 हज़ार प्रकार की वनस्पति पायी जाती है और गंगा के किनारों पर हज़ारों प्रजातियाँ पायी जाती हैं।
- उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती करने से पहले यह सोचने की आवश्यकता है कि किस चीज की खेती करें और किस खेती को कहाँ करने से किसानों को ज्यादा लाभ प्राप्त हो सकता है।